Fourteenth Loksabha

Session : 5
Date : 22-08-2005

Participants : Virendra Kumar Shri

>

Title : Regarding status of Sir Hari Singh Gaur University, Sagar, Madhya Pradesh.

श्री वीरेन्द्र कुमार उपाध्यक्ष महोदय, डॉ. हरिसिंह विश्वविद्यालय की स्थापना 18 जुलाई, 1946 में हुई। यह भारत का चौदहवां प्राचीन ए वं मध्य प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय था जो पूरे मध्य प्रदेश में शैक्षणिक कार्य सम्पन्न कराता था। मध्य प्रदेश के दूसरे विश्वविद्यालय इसके 15-20 वर्षों के बाद बनाये गयÉä[r118]*

23.00 hrs.

लेकिन उनमें सारी फैकल्टियां नहीं थीं। डा. हरी सिंह गौर ने 2000 एकड़ भूमि में इस विश्वविद्यालय को बनाया था और इस विश्वि वद्यालय को बनाने में डा, हरी सिंह गौर ने विदेशों में वकालत करके पैसा कमाया था। विदेशों में वकालत करके पैसा कमाकर उन्होंने सागर में विश्वविद्यालय बनाया था। उस समय सागर शैक्षणिक दृटि से पिछड़ा था। उस कारण से उस क्षेत्र की निरक्षरता को दूर करने के लिए उन्होंने सागर को शैक्षणिक केन्द्र बनाने के लिए इस विश्वविद्यालय को कैम्ब्रिज एवं ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के समान यूनि वर्सिटी बनाने का उन्होंने सपना देखा था और 1900 के गजेटियर में प्रकाशित हुआ था कि मध्य भारत में सागर पहाड़ों से, झीलों से घिरा हुआ एक बड़ा रमणीक शहर है। इन्हीं पहाड़ियों पर उस विश्वविद्यालय की स्थापना की गई। यह इतना बड़ा कैम्पस था कि वहां पर उन्होंने कल्पना की थी कि एक टेकरी से दूसरी टेकरी तक हेलीकोप्टर से जाया जाएगा और इस विश्वविद्यालय में सबसे बड़ी विशे- ाता यह है कि सारा का सारा शैक्षणिक कार्य इस विश्वविद्यालय के कैम्पस में ही कराया जाता है, जबकि दूसरे विश्वविद्यालयों में यह कार्य उनके महाविद्यालयों में कराया जाता है। इस विश्वविद्यालयों में 33 वियों का अध्ययन कराया जाता है जिसमें मानव विज्ञान, अपराध शास्त्र, भूगर्भ विज्ञान और ए.वी.आर.सी सरीखे रिसर्च सेंटर प्रमुख हैं। यह इतना बड़ा कैम्पस है कि एक बार जब विद्यार्थी इस ि वश्वविद्यालय में पहुंच जाता है तो उसे शहर नहीं जाना पड़ता है। सारे कार्य उस विश्वविद्यालय कैम्पस में ही होते हैं चाहे बैंक का हो, कैंटीन का हो या स्वास्थ्य विभाग का हो और विश्वविद्यालय का प्रिंटिंग प्रैस का काम भी खुद का वहां होता है, एक सूक्ष्म केंद्रीय उ पकरण शाला भी है।

उपाध्यक्ष महोदय : आप कहना क्या चाहते हैं ?

श्री वीरेन्द्र कुमार : उपाध्यक्ष महोदय, मध्य प्रदेश इतना बड़ा प्रदेश है लेकिन इतने बड़े प्रदेश में एक भी केन्द्रीय विश्वविद्यालय नहीं है जबकि इससे छोटे-छोटे प्रदेशों में केन्द्रीय विश्वविद्यालयों को मान्यता दे दी गई है।

अत: मेरा मानव संसाधन विकास मंत्रालय से अनुरोध है कि डा. सर हरी सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को केन्द्रीय विश वविद्यालय बनाने में सहयोग करें।